जब चाहो तब

क्यों केवल सितम्बर महीने में हिंदी प्रतियोगिताएँ हिंदी समारोह मनाना है? 'जब चाहो तब' योजना के तहत जब भी मदुरै मंडल के कर्मचारी चाहते हैं(कम से कम बीस कर्मचारी) तब प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएगी और जीतनेवालों को पुरस्कार दिया जाएगा।

आप बुलाते-हम लाते

हिंदी पुस्तकालय की उपयोगिता को बढ़ाने के उद्देश्य से मदुरै मंडल में 'आप बुलाते-हम लाते' योजना लगू की गयी है। मदुरै मंडल के सभी अंशकालीन पुस्तकपाल के नाम वे फोन संख्या आदि मदुरै मंडल के वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। पुस्तकों की सूची भी अपलोड की गयी है। फोन करने पर मांगकर्ता के स्थान तक पुस्तक पहुँचायी जाएगी।

राजभाषा के सितारे

प्रत्येक वर्ष विभिन्न स्टेशनों से 20 कर्मचारियों को चुना जाएगा। वे अपने स्टेशन/कार्यालय और आसपास के स्टेशनों पर राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार करेंगे। स्वयं राजभाषा में भी काम करेंगे, अन्य कर्मचारियों को भी प्रोत्साहित करेंगे।

राजभाषा उत्सव ऐसे उत्कृष्ट कार्य किये कर्मचारी को पदक, नकद-पुरस्कार, प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

हम रहे आदर्श

यह योजना मदुरै मंडल के अधिकारियों के लिए है। अधिकारी स्वयं हिंदी में काम करके कर्मचारियों के लिए आदर्श रहेंगे।

प्रत्येक तिमाही में मंडल कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अपनी-अपनी शाखा में उस तिमाही राजभाषा में हुई प्रगति को दर्शायेंगे।

आप नहीं तो हम

स्टेशन पर कार्यरत मदुरै मंडल के कर्मचारियों को कक्षाओं के लिए नामित किये जाने पर भी काम के कारण भारमुक्त नहीं कर पा रहे हैं। सभी स्टेशन में हिंदी प्रशिक्षण योजना द्वारा वर्ग भी नहीं लिया जा रहा है। अतः 'आप नहीं तो हम' योजना के अंदर प्रत्येक सत्र में दो स्टेशन चुने जाएँगे। दस-दस कर्मचारियों को नामित किया जाएगा। हिंदी विभाग के कर्मचारी स्वयं कक्षा लेंगे।